गुरुकृपा

श्रीगुरु की कृपा के विषय पर शास्त्रों से उद्धरण

स्कन्दपुराण से एक श्लोक

स्कन्दपुराण

किमत्र बहुनोक्तेन शास्त्रकोटिशतैरपि।
दुर्लभा चित्तविश्रान्तिः विना गुरुकृपां पराम्॥

शत-कोटि शास्त्र पढ़ने से भी तुम्हें क्या मिलेगा?
अन्तहीन विचार-विमर्श से तुम्हें क्या मिलेगा?
श्रीगुरुकृपा के बिना
चित्तविश्रान्ति मिलना दुर्लभ है।

© २०२१ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।